पाठ 23

पॉलीथीन

पात्र-परिचय

प्रभाकर –	एक शासकीय कर्मचारी
विशाखा –	एक किशोरी
सुनयना –	विशाखा की माँ
विकल्प –	विशाखा के पिता
ऋषि –	पड़ोसी बच्चे
पुष्कर –	पड़ोसी बच्चे
जावेद –	पड़ोसी व्यक्ति
सतीश –	पड़ोसी व्यक्ति
मंटूकाका	पड़ोसी व्यक्ति

दृश्य-एक

(फ्लैट के छज्जे से विशाखा कूड़ा फेंकती है। कूड़ा सड़क पर खड़े प्रभाकर के ऊपर गिरता है। प्रभाकर कूड़ा झाड़कर गुस्से में चिल्लाता है।)

शिक्षण संकेत

- वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से छात्रों को प्रेरित कराएँ।
- देशप्रेम की अन्य कविताएँ एवं प्रेरक प्रसंग सुनाएँ।
- व्याकरण का अभ्यास कराएँ।

प्रभाकार- (नाराज होकर) ''देखकर नहीं फेंका जाता कूड़ा? अब समय पर कार्यालय कैसे जा सकूँगा? अब मुझे दुबारा नहाना पड़ेगा। नल में पानी भी तो नहीं आता। अजीब मुसीबत है।''

पुष्कर- (हँसकर)''देखो ऋषि, चाचाजी कितने सुन्दर लग रहे है?''

प्रभाकर- (गुस्से में) ''तुम लोगों की शरारतें इसलिए बढ़ गई हैं क्योंकि तुम्हारे माता-पिता तुम्हें रोकते-टोकते नहीं हैं। बच्चों को उन्होंने सिर पर चढ़ा रखा है।''

विशाखा- ''अंकल, प्लीज पापा से मेरी शिकायत मत कीजिएगा मुझसे गलती हो गई।''

प्रभाकर- (कुछ शांत होकर) ''उनसे शिकायत किए बिना तुम्हारी आदत नहीं सुधरेगी। साढ़े नौ बजे हैं। क्या यह झाडू लगाने का समय है ? ऊपर से सड़क पर कचरा फेंकना। यह सब कहाँ तक ठीक है।''

(सुनयना का प्रवेश)

सुनयना- आप मेरे घर के बारे में बोलने वाले हैं कौन? यह मेरा घर है। आप कौन होते हैं टीका-टिप्पणी करने वाले।

प्रभाकर- तो विशाखा को कौन-सा विशेषाधिकार प्राप्त है कि ऊपर से किसी पर भी कूड़ा फेंककर उसे गंदा कर दे?

(झगड़ा सुनकर आस-पास के लोग इकट्ठा हो जाते हैं।)

मंटू काका- गलती तो विशाखा की है। उसे चाहिए था कूड़ा नीचे आकर कचरे के डिब्बे में डालती। कूड़ा ऊपर से फेंकने पर इधर-उधर बिखर जाता है। सफाई भी ठीक से नहीं होती।

सुनयना- सफाई ठीक से कैसे होगी? आप लोग अपनी कार और प्रभाकर अपना स्कूटर नीचे सड़क पर ही रखते हैं। सफाई कर्मचारी को सड़क खाली ही नहीं मिलती सफाई करे तो कैसे करे?

प्रभाकर- (सिर हिलाकर) मैं समझ गया। आप चाहती है मैं अपना स्कूटर आपके घर के नीचे पार्क न करूँ इसलिए आप कूड़ा फिंकवाती हैं।

सुनयना- जबान पर लगाम लगाइए। आप इस तरह हमारे ऊपर आरोप नहीं लगा सकते?

प्रभाकर- आने दीजिए विकल्प जी को! चोरी और सीना जोरी नहीं चलेगी। शाम को उनसे बात होगी।

सुनयना- हाँ-हाँ, अब उन्हीं के सामने बात होगी। (सब लोग जाते हैं।)(पर्दा गिरता है)

दृश्य दो

(ड्राईंग रूम में विकल्प, सुनयना और विशाखा बैठे हैं। काल बेल बजती है। विकल्प दरवाजा खोलते हैं। प्रभाकर, मंटू काका, जावेद और सतीश का प्रवेश)

मंटू काका– विकल्पजी, हमें एक शिकायत है। आपके घर से कूड़ा–कचरा ऊपर से सड़क पर फेंका जाता है जो ठीक नहीं है। इससे हमें परेशानी होती है। सफाई भी नहीं हो पाती।

सुनयना– शिकायत तो आप लोगों से हमें भी है। आप लोग अपनी कार और स्कूटर सड़क पर खड़ा करते हैं इसलिए सफाई कर्मचारी वहाँ सफाई नहीं करता नालियाँ भी साफ नहीं हो पातीं।

सतीश– भाई इस तरह एक दूसरे की शिकायत से समस्या हल नहीं होगी। हमें कुछ सोचना होगा।

जावेद– नालियों की सफाई ठीक न होने का मुख्य कारण पॉलीथीन की थौलियाँ है। पॉलीथीन फँस जाने से नालियों का पानी सड़क पर बहने लगता है। घर का कचरा पॉलीथीन की थौलियों में भरकर नहीं फेंकना चाहिए।

विकल्प– यह बात ठीक है पर घरों के सामने वाहन खड़े करना फुटपाथ और नालियों की सफाई में बाधक बनता है।

प्रभाकर– (सहजभाव से) जहाँ तक मेरे स्कूटर का सवाल है, मैं उसे पार्किंग के अड्डे पर खड़ा करने लगूँगा पर क्या इससे कचड़े की समस्या हल हो जाएगी।

मंटू काका– मैं भी अपनी कार आज से पार्किंग अड्डे पर रखूँगा लेकिन क्या पॉलीथीन का प्रयोग आप रोक पाएँगे? पॉलीथीन से कई उपयोगी वस्तुएँ बनाई जाती हैं।

विकल्प– असल समस्या बार–बार गलाकर बनाई गई पॉलीथीन की थैलियों की है। यह रासायनिक प्रदूषण भी फैलाती हैं। इसका कम से कम उपयोग करना ही इसके दुष्प्रभाव से बचने का एक मात्र उपाय है।

मंटू काका– हाँ– पॉलीथीन को इधर –उधर खुले में नहीं फैंकना चाहिए। पॉलीथीन की थैलियों और उससे बनी दूसरी चीजों को सुरक्षित ढंग से कचरे के डिब्बों में डालना चाहिए ताकि उसका वैज्ञानिक ढंग से निपटारा किया जा सके। सही रूप से निदान करने से हम इसके लाभ भी उठा सकेंगे तथा प्रदूषण कम करने में सहायक होंगे।

विकल्प– पॉलीथीन की जगह कुछ और खोजना पड़ेगा। पॉलीथीन को ही ऐसा बनाया जाए जो सरलता से नष्ट हो जाए, पानी में गल जाए तथा मिट्टी से एकाकार हो जाए।

जावेद– हमें पॉलीथीन से होनेवाली हानियों के बारे में भी लोगों को बताना चाहिए।

प्रभाकर- हर गली, हर दुकान के सामने ड्रम या कचरे के डिब्बे रखवाए जाएँ जिनकी सफाई रोज की जाए इन ड्रमों से कचरा और पॉलीथीन अलग-अलग कर उसका उचित निदान करना चाहिए। यह काम नगर निगम, नगर पालिका या ग्राम पंचायतों को अपने हाथ में लेना चाहिए।

विकल्प- बिल्कुल ठीक कहा, पर कचरे को कूड़ादान में ही डालना हमारा काम है।

विशाखा- प्रभाकर चाचा मैं आपसे माफी माँगती हूँ। आगे से मैं कूड़ा सड़क पर फेंकने की बजाय कूड़ेदान में डालूँगी।

(सभी एक साथ हँसकर कहते हैं यदि सुबह का भूला शाम को घर आजाए तो उसे भूला नहीं कहते)

▸ राष्ट्र बंधु

नए शब्द

पॉलीथीन – प्लास्टिक की बनी हुई थैली **विशेषाधिकार** – विशेष रूप से प्राप्त अधिकार। **योजनाबद्ध** – पहले से निश्चित की हुई कार्य की रूप रेखा **कालबेल** – दरवाजे पर लगी घंटी जिसके दबाने से निकली आवाज़ किसी के आने की सूचना देती है। **रोगवर्धक** – बीमारी बढ़ाने वाला

अनुभव विस्तार

एकांकी से खोजिए-

(क) सही जोड़ियाँ बनाइए-

कूड़ा – जल प्रदूषण

पॉलीथीन – गंदगी

कार-स्कूटर – रासायनिक प्रदूषण

गंदा पानी – वायु प्रदूषण

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति करिए-

1. तुम लोगों की..................इसलिए बढ़ गईं।
2. नालियों का पानी ....पर बहने लगता है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

निर्देश निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

1. विशाखा ने कचरा कहाँ फेंका?
2. ऋषि ने प्रभाकर को देख कर क्या कहा?
3. विशाखा ने किससे माफी माँगी?
4. मंटूकाका के पास कौन सा वाहन था?
5. पॉलीथीन को इकट्ठा करके क्या करना चाहिए?

लघु उत्तरीय प्रश्न-

निर्देश निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच एक वाक्य में दीजिए-

1. नालियों का पानी क्यों रुक जाता है? पानी रुकने से क्या परेशानी होती है?
2. पॉलीथीन के प्रयोग से पर्यावरण को होने वाली हानियों के बारे में बताइए।
3. प्रभाकर के ऊपर कूड़ा गिरने पर उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई?
4. मंटू काका ने नालियों की सफाई न होने का क्या कारण बतलाया?

भाषा की बात

प्रश्न – दिए गए शब्दों में वर्तनी की अशुद्धि है सही शब्द छाँटकर उस पर गोला लगाएँ।

आशवयक	आवश्यक	आवशयक	अवश्यक
सूविधा	सुविधा	सुवधा	सुविध
सड़क	सरक	सडक	सकड़

अब करने की बारी

1. विद्यालय में आयोजित होने वाली बाल–सभा, में पॉलीथीन की हानियाँ बतलाएँ।
2. पॉलीथीन की जगह पुराने अखबारों के थैले और लिफाफे बनाइए।
3. प्रदूषण के और कौन–कौन से कारण हैं उनकी सूची तैयार करें।
4. पॉलीथिन का उपयोग कैसे कम किया जा सकता है, शिक्षक से जानने का प्रयास करें।

निर्देश – पर्यावरण विषय पर पाँच वाक्य लिखिए –

....

....

....

....

....

——— 0 ———